vinetur

चिली का कहना है कि अमेरिकी शुल्क वार्ता से सभी निर्यातों पर 0% शुल्क बहाल नहीं होगा

निर्यात मूल्य का 53% अब शुल्क-मुक्त अमेरिका पहुंचता है ; सैंटियागो सैल्मन, वाइन, लकड़ी और फलों के लिए राहत चाहता है।

गुरुवार, 8 अक्टूबर 2026



चिली ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के साथ उसकी शुल्क वार्ता का उद्देश्य कुछ निर्यातों के लिए शुल्क-मुक्त पहुंच बढ़ाना है, न कि अमेरिकी बाजार में बेची जाने वाली सभी वस्तुओं पर 0% शुल्क बहाल करना। यह सार्वजनिक स्वीकारोक्ति उस सीमा को दर्शाती है जिसे सैंटियागो अमेरिका की अधिक सख्त व्यापार नीति के बीच बातचीत में देखता है।

चिली में Compañía Sud Americana de Vapores की ओर से Global Trade Day के अवसर पर आयोजित एक संगोष्ठी में अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंधों की उपसचिव Paula Estévez ने कहा कि चिली के निर्यात मूल्य का 53% अब अमेरिका में 0% शुल्क पर प्रवेश करता है, जबकि अन्य प्रमुख उत्पादों पर 12.5% अधिभार लगता है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य इस 53% हिस्से को बढ़ाना और इसमें अधिक रणनीतिक उत्पादों को शामिल करना है, लेकिन सभी वस्तुओं के

लिए पूरी तरह शुल्क-मुक्त व्यवस्था बहाल करना नहीं।

La Tercera के Pulso की खबर के मुताबिक, Estévez ने कहा, "मैं बिल्कुल स्पष्ट कर देना चाहती हूं : हम 0% तक नहीं पहुंचेंगे। और इस वार्ता का लक्ष्य भी यह नहीं है। हम ऐसी स्थिति तक नहीं पहुंचेंगे जहां हमारे 100% उत्पाद 0% शुल्क पर प्रवेश करें, क्योंकि अमेरिकी व्यापार नीति बदल गई है। इस नई परिस्थिति में हमें वार्ता की सीमाओं को समझना होगा।"

उनकी टिप्पणियां वॉशिंगटन के साथ वार्ता के दायरे पर चिली सरकार की अब तक की सबसे स्पष्ट सार्वजनिक बातों में से एक थीं। ये बातचीत ऐसे समय हो रही है जब राष्ट्रपति Donald Trump की शुल्क नीतियां व्यापार संबंधों को नया रूप दे रही हैं और निर्यात पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं को बदलाव के लिए मजबूर कर रही हैं। Estévez ने कहा कि चिली शुल्कों को पसंद नहीं करता और उन्हें व्यापार पर अतिरिक्त अधिभार बताया। प्रभावित वस्तुओं में उन्होंने सैल्मन, लकड़ी, वाइन, फल और अन्य रणनीतिक उत्पादों का नाम लिया।

कुछ क्षेत्रों पर दबाव काफी है। Estévez ने कहा कि चिली के सैल्मन निर्यात का 50% अमेरिका जाता है, जो शुल्क में बदलाव के प्रति इस बड़े उद्योग की संवेदनशीलता को रेखांकित करता है। पेय क्षेत्र के लिए भी यह वार्ता अहम है, क्योंकि चिली की वाइन उन उत्पादों में है जिन पर मौजूदा 12.5% शुल्क लगता है। यदि राहत केवल आंशिक रही, तो इससे बाजार तक पहुंच की लागत ऊंची बनी रह सकती है और अन्य देशों के उत्पादकों के मुकाबले प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है।

इसी कार्यक्रम में चिली में अमेरिका के राजदूत Brandon Judd ने अधिक आशावादी रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि Estévez ने वार्ता की स्थिति को लेकर आशावाद जताया था और उन्हें ऐसा करना भी चाहिए। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि अंततः यह वार्ता चिली के लिए बहुत, बहुत अच्छे नतीजे पर पहुंचेगी।"

यह आशावाद चिली के अधिकारियों के अधिक संयमित संदेश के साथ मौजूद है। वे घरेलू स्तर पर उम्मीदों और वॉशिंगटन की राजनीतिक वास्तविकता के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। Trump के तहत अमेरिकी शुल्क व्यवस्था ने वार्ता की शुरुआती स्थिति बदल दी है, जिससे व्यापारिक साझेदारों के लिए पहले की व्यवस्थाओं के तहत मिलने वाली व्यापक छूट हासिल करना अधिक कठिन हो गया है।

यह वार्ता चिली-अमेरिका व्यापार संबंधों के व्यापक ढांचे के भीतर हो रही है और इसमें कई माध्यम शामिल दिखाई देते हैं। Diario Financiero ने खबर दी कि दोनों देशों के बीच शुल्क वार्ता में Reciprocal Trade Agreement अब भी विचाराधीन है। अखबार के मुताबिक, चिली इस संभावित समझौते को एकतरफा उपायों और अन्य द्विपक्षीय साधनों के साथ, मौजूदा शुल्क छूट का दायरा बढ़ाने और उत्पादक क्षेत्रों को समर्थन देने का तरीका मानता है। उसने यह भी बताया कि अमेरिका के साथ बातचीत गहन रही है और उसका जोर ऐसे समाधान खोजने पर है जो द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा दें तथा दोनों देशों के मौजूदा मुक्त व्यापार समझौते के तहत उपलब्ध लाभों और नियमों का उपयोग करें।

यह अहम है क्योंकि चिली पहले Reciprocal Trade Agreement यानी ART पर हस्ताक्षर करने से पीछे हटता रहा था। यह द्विपक्षीय मॉडल Office of the United States Trade Representative ने व्यापार संबंधों को नए सिरे से गढ़ने की वॉशिंगटन की कोशिश के तहत बढ़ावा दिया है। हालांकि, बुधवार की संगोष्ठी में Estévez ने कहा कि चिली अब अमेरिका के साथ ऐसे समझौते पर "बराबरी के आधार पर" बातचीत कर रहा है। यह पहले के रुख से बदलाव का संकेत है और बताता है कि सैंटियागो ने अमेरिकी ढांचे से बाहर रहने के बजाय उससे जुड़े रहना बेहतर समझा है।

चर्चा शुल्कों तक सीमित नहीं है। वॉशिंगटन के साथ पिछली वार्ताओं से जुड़ा एक अन्य मुद्दा यह रहा है कि क्या चिली को निवेश जांच व्यवस्था अपनानी चाहिए। इसके तहत सरकारें राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था के आधार पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की समीक्षा, मंजूरी या उसे रोक सकती हैं। Estévez ने कहा कि इस विषय पर एक विधेयक पहले से सीनेट में है और उनका कार्यालय सीनेट की वित्त समिति के साथ विधायी प्रक्रिया से पहले के एजेंडे पर काम कर रहा है।

उन्होंने इस विचार को खारिज किया कि यह पहल अमेरिका के दबाव में आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने कहा कि चिली राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए जरूरी साधन जुटाने के उद्देश्य से इस व्यवस्था का आकलन कर रहा है। उन्होंने बंदरगाहों, समुद्र के भीतर बिछी केबलों और बिजली पारेषण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था किसी देश के साथ भेदभाव नहीं करेगी और चिली के अपने हितों तथा परिस्थितियों को दर्शाएगी। Estévez के हवाले से दिए गए आंकड़ों के अनुसार, OECD के 80% सदस्य देश पहले से किसी न किसी रूप में निवेश जांच व्यवस्था लागू करते हैं।

सरकार इस प्रयास को रणनीतिक प्रतिद्वंद्विता और व्यापार संघर्ष से प्रभावित वैश्विक अर्थव्यवस्था के अनुरूप ढलने की व्यापक रणनीति का हिस्सा बता रही है। Estévez ने कहा कि चिली ने भारत, फिलीपींस, मोरक्को, बांग्लादेश और जॉर्डन में बाजार खोलने के लिए काम किया है, जबकि अमेरिका और चीन सहित मौजूदा संबंधों को मजबूत करने की भी कोशिश की है। उन्होंने इस विचार को खारिज किया कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच वाणिज्यिक तनाव में चिली ने किसी एक पक्ष को चुना है। उन्होंने कहा, "चिली किसी भी पक्ष का साथ नहीं देगा।"

यह रुख वैश्विक व्यापार पर चिली की निर्भरता और वॉशिंगटन तथा बीजिंग दोनों के साथ उसके गहरे संबंधों के बीच मध्यम आकार के निर्यातक के रूप में जरूरी नाजुक संतुलन को दर्शाता है। इसी कार्यक्रम में MIT के अर्थशास्त्री और व्यापार विशेषज्ञ Pol Antràs ने कहा कि बातचीत में मोलभाव की ताकत मापने वाले एक वैश्विक सूचकांक के मुताबिक चिली की सौदेबाजी की स्थिति कमजोर है। उन्होंने कहा कि गंतव्य के हिसाब से चिली के निर्यात का संकेंद्रण और कई देशों से आयात पर उसकी निर्भरता, वार्ता के दौरान उसे मुश्किल स्थिति में डालती है।

Estévez ने इस आकलन का विरोध करते हुए इसे अकादमिक सूचकांक बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका सहित अलग-अलग देशों के साथ चिली जो वार्ताएं कर रहा है, उनके आधार पर चिली के पास सौदेबाजी की ताकत है।

Antràs ने कहा कि वैश्विक व्यापार युद्ध का चिली पर अब तक कुछ लोगों की अपेक्षा से कम असर पड़ा है और कुछ क्षेत्रों में बेहतर कीमतों से उसे लाभ भी हुआ हो सकता है। चिली चीन से भारी मात्रा में आयात करता है और इनमें से कई उत्पाद ऐसे हैं जिन्हें चीन पहले अमेरिका को भी बेचता था। उन्होंने कहा कि इससे अल्पावधि में चिली के लिए आयात की कीमतें कम हो सकती हैं, जो तत्काल व्यापक आर्थिक खतरे के बजाय एक अवसर पैदा करती हैं।

निर्यात प्रतिस्पर्धा को लेकर उनका रुख कम आश्वस्त था। उन्होंने कहा कि यदि किसी एक क्षेत्र पर दबाव पड़ने की आशंका अधिक है, तो वह सैल्मन है। चीन भी अमेरिका को कुछ सैल्मन बेचता है और यदि शुल्कों के कारण चिली की अमेरिकी बाजार तक पहुंच सीमित रहती है, तो प्रतिस्पर्धा और कठिन हो सकती है। यही चिंता इस बात को रेखांकित करती है कि सैंटियागो उन निर्यातों का हिस्सा बढ़ाने की कोशिश क्यों कर रहा है जो अब भी अमेरिका में 0% शुल्क पर प्रवेश कर सकते हैं—भले ही अधिकारी अब कह रहे हों कि पूरी छूट बहाल करना संभव नहीं है।

Antràs ने यह भी कहा कि इस दौर में आर्थिक झटकों को झेलने के लिए चिली के पास सीमित व्यापक आर्थिक गुंजाइश है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि अमेरिका के प्रति सरकार का सतर्क रुख समझ में आता है, क्योंकि सीधे टकराव से ऐसी अर्थव्यवस्था पर अल्पावधि में अधिक लागत पड़ सकती है जो पहले से ही सीमाओं का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि लंबी अवधि में निर्भरता घटाने के लिए चिली को विविधीकरण करना, वैश्विक मूल्य श्रृंखला में ऊंचे स्तरों तक पहुंचना और रणनीतिक परिसंपत्तियों की रक्षा करना जरूरी है।

निर्यातकों के लिए लंबी अवधि की यह दलील तत्काल मुद्दे को नहीं बदलती। मौजूदा शुल्क वार्ता से तय होगा कि चिली के किन उत्पादों को अमेरिकी बाजार में अधिक अनुकूल व्यवहार फिर से मिल सकता है और किन पर ऊंचे शुल्क जारी रहेंगे। यह सैल्मन और लकड़ी जैसे बड़े पैमाने के क्षेत्रों के लिए अहम है, लेकिन कृषि और पेय उत्पादकों के लिए भी—खासकर वाइन कंपनियों के लिए, जिनकी कीमतों और अमेरिकी बाजार में स्थिति पर अपेक्षाकृत मामूली शुल्क बदलाव का भी तेजी से असर पड़ सकता है।

चिली सरकार इन वार्ताओं को बदली हुई अमेरिकी नीति के माहौल में व्यापार बनाए रखने और प्रमुख क्षेत्रों के लिए गुंजाइश बढ़ाने की व्यावहारिक कोशिश के रूप में पेश कर रही है, न कि पहले जैसी स्थिति लौटाने के प्रयास के तौर पर। यदि कोई नतीजा निकलता है, तो उसकी संभावना चुनिंदा राहत की है : कुछ उत्पादों के लिए व्यापक शुल्क छूट, अन्य पर शुल्क जारी रहना और ऐसा द्विपक्षीय संबंध जो सभी वस्तुओं पर लागू मुक्त व्यापार के बजाय सीमित दायरों वाले समझौतों से तेजी से आकार ले रहा है।